सांस्कृतिक गतिविधियाँ

(2019-20)

भारतीय संस्कृति विश्व में सभी संस्कृतियों से श्रेष्ठ है क्योंकि भारत ही एक ऐसा राष्ट्र है जहाँ इसका जीवंत रूप देखने को मिलता है और यह किसी भी राष्ट्र पर अपना प्रभाव निश्चित रूप से छोड़ती है। प्रत्येक राष्ट्र अपने प्रदेशों से ही संस्कृतियों का मिश्रित रूप लेकर अपना एक विशेष अस्तित्व बना पाता है। और इस अस्तित्व निर्माण के कार्य में प्रत्येक पीढ़ी भले ही वह वृद्ध वर्ग हो या युवा वर्ग सभी का सहयोग बराबर का है। सामाजिक, शैक्षणिक सभी संस्थान इस यज्ञ में अपनी आहुति देकर इसे सफल बनाते हैं। शिक्षण संस्थानों के संदर्भ में यदि हम बात करें अपने शिक्षण संस्थान की तो वर्षों से यह संस्थान सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी पहचान बनाता आ रहा है और उसी कड़ी में इस वर्ष भी महाविद्यालय का शैक्षणिक सत्र जुलाई माह से प्रारंभ हुआ और हमारी गतिविधियां भी इसी इंतज़ार में रहीं कि कब उनका अवसर आएगा।

15 अगस्त, 2019: माह अगस्त में स्वतंत्रता दिवस जोकि हर भारत के नागरिक का अपना उत्सव है उसे सांस्कृतिक विभाग की ओर से पूरी शिरकत के साथ मनाया गया। जिसमें विभाग की ओर से देशभक्ति के सामूहिक व एकल गायन व नृत्यों की प्रस्तुतियां रहीं।

नृत्य कार्यशाला: अगस्त माह के अंतिम सप्ताह में लोक नृत्य हरियाणवी व रसिया नृत्यों की कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका संचालन श्रीमान पवन ने किया। जिसमें कुल 30 छात्राओं ने भाग लिया और छात्राओं ने काफी उत्साह से इस विद्या को सीखा।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ (नैक निरीक्षण): 8 व 9 सितंबर को महाविद्यालय में होने वाली नैक निरीक्षण में नैक कमेटी के सम्मुख भी सांस्कृतिक विभाग की ओर से बेहतरीन प्रस्तुतियों का प्रदर्शन किया गया। जिसमें हरियाणवी समूह नृत्य, रागिनी, आरकेस्ट्रा, पंजाबी समूह नृत्य व हरियाणवी पॉप गायन की विधाएं प्रस्तुत की गई जिस कार्यक्रम का नैक कमेटी ने पूरे मन से आनंद लिया व भरपूर प्रशंसा भी की।

प्रतिभा खोज आयोजन: सितंबर माह में प्रथम वर्ष की नई आई छात्राओं के लिए प्रतिभा खोज समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें हर वर्ष की भांति गायन, वादन, नृत्य, अभिनय व ललित कला की 11 विधाओं को शामिल किया गया। इस बार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमति संतोष सिंगला व विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर ज्योति श्योराण, निदेशक युवा एवं सांस्कृतिक विभाग, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जीन्द ने अपनी उपस्थिति दी। प्रोफेसर ज्योति जी ने छात्राओं को भविष्य में भी इन

गतिविधियों के प्रति जागरूक किया व इन गतिविधियों से मिलने वाले लाभ के बारे में भी छात्राओं को अवगत कराया।

गीता जयंती अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव: दिसम्बर माह में महाविद्यालय की छात्राओं ने एकल हरियाणवी व कृष्ण रास नृत्य की प्रस्तुति गीता महोत्सव में दी। इस नृत्य में तुलसी बी.ए. प्रथम वर्ष व सुचिता बी.ए. प्रथम वर्ष ने अपनी प्रस्तुति दी।

26 जनवरी, 2020: गणतंत्र दिवस इस बार महाविद्यालय में बड़े ही जोश व उल्लास के साथ मनाया गया। प्रबंधक समिति के द्वारा छात्राओं को प्रेरणा मिली जिसके रहते महाविद्यालय की तीनों संकायों की छात्राओं ने इस बार गणतंत्र दिवस समारोह में अपनी प्रस्तुतियाँ दी। सभी कार्यक्रम सराहनीय रहे जिसके लिए महाविद्यालय प्रबंधक समिति ने अपनी ओर से 500 रूपये प्रति छात्रा को जिसने कार्यक्रम में भाग लिया उसे पुरस्कृत किया गया।

11 फरवरी छोटू राम जयंती: छोटू राम किसान कॉलेज के द्वारा आयोजित छोटू राम जयंती उत्सव पर महाविद्यालय की छात्राओं ने हरियाणवी भजन, भाषण व लघु नाटिका में भाग लिया। जिसमें हरियाणवी भजन में मुस्कान बी.ए. तृतीय वर्ष ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा लघु नाटिका में बी.एस. सी. की छात्राओं ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

'अभिव्यक्ति' अर्न्तक्षेत्रीय युवा उत्सव: फरवरी माह में दिनांक 13 से 15 फरवरी तक छोटू राम किसान महाविद्यालय में सी. आर. एस. विश्वविद्यालय, जींद द्वारा युवा उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें हमारे महाविद्यालय ने कुल 27 विधाओं में भाग लिया। बड़े ही सराहनीय प्रदर्शन के साथ छात्राओं ने 9 विधाओं में प्रथम पुरस्कार व 5 विधाओं में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किए। छात्राओं को नकद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

'दिशाएं' राज्य स्तरीय उत्सव: युवा उत्सव में सामूहिक हरियाणवी नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय छात्राओं ने पानीपत में आर्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राज्य स्तरीय 'दिशाए' कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति दी। जिसमें छात्राओं ने भव्य प्रदर्शन देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुल 22 टीमों की प्रतिभागिता में हिन्दू कन्या महाविद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त कर एक बार फिर नृत्य की ट्राफी जीती। 21000/- नकद व एक ट्राफी जीत कर छात्राओं ने राज्य स्तर पर अपना स्थान बनाया।

'स्पंदन' अंर्तविश्वविद्यालय उत्सव: फरवरी माह में ही एक बार फिर महाविद्यालय की छात्राओं ने अंर्तविश्वविद्यालय 'स्पंदन' उत्सव हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में चौधरी रणबीर सिंह

विश्वविद्यालय को प्रस्तुत किया। महाविद्यालय की छात्राओं ने हरियाणवी सामूहिक नृत्य, मेहंदी प्रतियोगिता, लाइट वाकल इंडियन व शास्त्रीय नृत्य में अपनी प्रतिभागिता दिखाई। जिसमें हमारी छात्राओं में सामूहिक नृत्य, शास्त्रीय नृत्य व मेहंदी प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया जोकि प्रशंसनीय है जिसके लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में छात्राओं को रजत पदक व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

दिल्ली दूरदर्शन (D.D. National) पर प्रस्तुति: छात्राओं के इस जोश व जज्बे को देखते हुए निर्देशक, युवा एवं सांस्कृतिक विभाग, सी. आर. एस. विश्वविद्यालय, जींद की प्रोफेसर डॉ. ज्योति श्योरान ने हमें एक अवसर और दिया और वह रहा डी. डी. नेशनल चैनल, दिल्ली दूरदर्शन पर प्रस्तुति का। हमारे सामूहिक हरियाणवी नृत्य की टीम ने होली को प्रसंग का नृत्य में शामिल कर होली पर दिए जाने वाले कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति दी। जिसके लिए सभी प्रबंध दिल्ली दूरदर्शन द्वारा ही किए गए। सी. आर. एस. विश्वविद्यालय की बस में छात्राओं को ले जा कर वहां उनकी प्रस्तुति कराई गई। जिसका प्रसारण 10 मार्च होली के अवसर पर प्रातः 9:00 बजे तथा साय: 4:00 बजे किया गया। इसमें छात्राओं का काफी उत्साहवर्धन हुआ और उनमें आत्मविश्वास की भावना का भी संचार हुआ।

खेल दिवस: महाविद्यालय में 27 फरवरी को खेल दिवस पर भी सांस्कृतिक विभाग की छात्राओं ने कुलपति महोदय आर. बी. सोलंकी की उपस्थिति में सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी। पुनः खेल दिवस के समापन समारोह पर छात्राओं ने डॉ. राजेश पूनिया, रजिस्ट्रार सी. आर. एस. विश्वविद्यालय, जींद के सम्मुख हरियाणवी पॉप साँग की प्रस्तुति दी। ये प्रस्तुति भी काफी मनमोहक रही।

अंर्तमहाविद्यालय प्रतियोगिता: मार्च माह में महाविद्यालय की छात्राओं को माता सुदंरी खालसा कन्या महाविद्यालय निसिंग (करनाल) में होने वाली अंर्तमहाविद्यालय प्रतियोगिता में जाने का अवसर मिला जिसमें मेहंदी, कढ़ाई, पुष्प सज्जा तथा नृत्य अदि जैसी कई विधाओं में हमारे महाविद्यालय की छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें सांस्कृतिक विभाग की नृत्य की छात्रा सुचिता ने वहां एकल नृत्य में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

गतिविधियों का क्रम अभी रुका नहीं था कि इस वैश्विक महामारी कोरोना ने जो हालात पैदा किये उनके चलते लॉकडाउन की परिस्थिति से सब कुछ ठहर सा गया। लेकिन जितनी भी गतिविधियाँ 2019-20 सत्र में हुई उन सब के लिए मैं डॉ. क्यूटी, अध्यक्षा, सांस्कृतिक विभाग अपनी छात्राओं के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उनकी प्रशंसा करती हूँ और भविष्य में भी ऐसी प्रस्तुतियों से महाविद्यालय की शान बढ़ाते रहने का

आश्वासन देती हूँ। साथ ही धन्यवाद देती हूँ महाविद्यालय की समस्त प्रबंधक समिति को, समस्त टीचिंग व नान टीचिंग स्टाफ को, जिन्होंने समय-समय पर अपना सहयोग देकर हमें इन कार्यक्रमों में भेजा है।

राष्ट्रीय संगीत प्रतिस्पर्धा: कोरोना महामारी के चलते जब समस्त विश्व तनावपूर्ण वातावरण में रहा है उस परिस्थिति से जूझने के लिए और उस वातावरण के अवसाद को कम करने के लिए महाविद्यालय सांस्कृतिक विभाग व संगीत विभाग के संयुक्त प्रयास से जून माह में राष्ट्रीय संगीत प्रतिस्पर्धा का ऑनलाइन आयोजन किया गया। जिसमें 8 प्रदेशों से लगभग 23 प्रतिभागियों ने सितार वादन व शास्त्रीय गायन विद्या में भाग लिया। महाविद्यालय की ओर से प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया गया।

डॉ. क्यूटी

(संगीत विभागाध्यक्षा)